दैनिक भास्कर
12/06/17

नया रायपुर के 55 तालाब जोड़कर जमा करेंगे पानी

इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | रायपुर

नया रायपुर क्षेत्र के 55 तालाबों को एक-दूसरे से जोड़ने का बड़ा प्लान तैयार हुआ है, ताकि बरसात का पूरा पानी सभी तालाबों में इस तरह भरे कि सालभर नए शहर का भूजल स्तर बना रह सके। एनआरडीए ने यह प्लान तैयार किया है। इस साल आधा दर्जन तालाबों को जोड़ने से शुरुआत की जाएगी।

नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) अफसरों ने बताया कि नया रायपुर में छोटे-बड़े करीब 55 तालाबों में से ज्यादातर इस बार की गर्मी में या तो पूरी तरह सूख गए या फिर उनमें पानी कम हो गया है। आने वाले 20 साल में जब इस इलाके में आबादी बढ़ेगी, तब यहां भूजल पर सर्वाधिक निर्भरता रहनेवाली है। अभी आबादी नहीं है, इसलिए बड़े तालाबों को एक-दूसरे से जोड़ने का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना मुश्किल नहीं है। एनआरडीए इंजीनियरों और पर्यावरणविदों ने यह सर्वे कर लिया है कि दर्जनभर बड़े तालाबों को ही अगले दो साल में जोड़ने से काफी दिक्कतें दूर हो सकती हैं।

बनेंगी छोटी-छोटी नहरें : प्लान के मुताबिक तालाबों को जोड़ने के लिए छोटी-छोटी नहरें बनाई जाएंगी। ओवरफ्लो होने वाले तालाबों के अलावा बारिश का नहरों में इकट्ठा हुआ पानी भी उन तालाबों में जाएगा, जहां वाटर लेवल डाउन है। इससे लगभग सारे तालाब एक जैसे भरेंगे और उनके आसपास का भूजल स्तर भी सुधरेगा।

तालाब जोड़ने का काम दो चरणों में होगा। पहले चरण में एक दूसरे से नजदीक के तालाब जोड़े जाएंगे। दूर के तालाबों के जोड़ने के लिए मास्टर प्लान पर काम चल रहा है। इसमें अंडरग्राउंड नहरें भी है। इसके लिए इसी माह के अंत तक कंसल्टेंट नियुक्त किया जाने वाला है।

27 फीसदी इलाके में ग्रीनरी

नया रायपुर के 27 फीसदी इलाके को ग्रीनरी के लिए आरक्षित कर दिया है। यही नहीं, आने वाले 20-25 वर्षों में नए रायपुर में जितने भी भवन बनेंगे, सभी को हरियाली के लिए 10 फीसदी जगह अनिवार्य रूप से छोड़नी होगी। ऐसा नहीं हुआ तो सरकारी एजेंसियां इन भवनों का कुछ हिस्सा तोड़ देंगी, ताकि खाली जगह 10 फीसदी हो जाए।